www.livehindustan.com
13 मई, 2020 | वर्ष 09, अंक 19
आज हिन्दुस्तान अंक के साथ नई दिशाएं मुफ्त पाएं

हिन्दुस्तान की नई दिशाएं



12वीं के बाद

कॉमर्स में ट्रेडिशनल कोर्स

कवर स्टोरी

शॉर्ट टर्म कोर्स

करियर में भरें एनिमेशन के रंग

एजुकेशनल न्यूज

जेईई मेन्स और एडवांस की तारीखों का ऐलान

नई दिशाएं

COVER STORY



कॉमर्स के ट्रेडिशनल कोर्स पर यह लेख क्यों पढ़ें

पेज 04

12वीं में कॉमर्स की पढ़ाई करने के बाद कौन-कौन से परंपरागत कोर्स हैं, जहां कॉमर्स के छात्र उच्च शिक्षा हासिल करके अपना करियर बना सकते हैं। इस लेख में आप जानेंगे कॉमर्स के कुछ लोकप्रिय ट्रेडिशनल कोर्स के बारे में-

ऑनलाइन कोर्स : सीखें फोटोग्राफी का हुनर — पेज 06

सलाह : काम और आराम के बीच बनाएं संतुलन — पेज 07

मौके : सीपीसीबी में 48 पदों पर भर्ती — पेज 08

कामयाबी की कहानी : कैरी मिनाटी — पेज 09





शॉर्ट टर्म कोर्स : करियर में भरें एनिमेशन के रंग — पेज 10

इंस्टीट्यूट वॉच : बनें साइबर लॉ के जानकार — पेज 11

अवसर: इयान पैरी छात्रवृत्ति योजना — पेज 12

एजुकेशनल न्यूज : जेईई मेन्स और एडवांस की तारीखों का ऐलान — पेज 14



मुद्रक तथा प्रकाशक राजीव बेओतरा द्वारा हिन्दुस्तान मीडिया वेन्चर्स लिमिटेड (एच एम वी एल) के पक्ष में एच टी मीडिया लिमिटेड प्रेस, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा, जिला : गौतमबुद्ध नगर (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 18-20, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001 से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : शशि शेखर
कार्यकारी सम्पादक : जयंती रंगनाथन

दूरभाष : (011) 23361234, (0612) 2223434 सम्पादकीय : (011) 66561364, 66561263
प्रसार : (011) 66561111
विज्ञापन : (011) 66561442, 66561189
फैक्स : (011) 66561451, 66561270
आर.एन.आई. नं. BIHHIN/2012/48999

क्या कुछ सिखा रहा है लॉकडाउन

कोविड-19 के इस मुश्किल दौर और लॉकडाउन ने हमें काफी कुछ सिखाया है। अब 'वर्क फ्रॉम होम'का चलन लोकप्रिय हो गया है। लोग अपने दफ्तर और निजी कार्यों को पूरा करने के लिए इंटरनेट का सहारा ले रहे हैं। लॉकडाउन ने सोशल डिस्टेंसिंग को तो बढ़ावा दिया ही है, पर इससे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में तेजी देखी जा रही है। वेब भले ही कितने काम का क्यों न हो, पर यह अफवाहों और गलत खबरों का भी केंद्र है। विशेष तौर पर भारत में निश्चित ही इस लॉकडाउन ने कई पाठ पढ़ाए हैं। आइए, जानते हैं, इस दौर से हमें क्या कुछ सीखने को मिला है-

इंटरनेट को कैसे इस्तेमाल करना चाहिए: जैसा कि सभी जानते हैं, इंटरनेट सूचनाओं का भंडार है, तो इस लॉकडाउन ने हमें अपने ज्ञान को बढ़ाने और कुछ नया सीखने को प्रोत्साहित किया।

इंटरनेट संबंधी समस्याओं को सुलझाना: पूरे देश में खराब इंटरनेट कनेक्शन और नेटवर्क संबंधी परेशानियां आम हैं। इस लॉकडाउन में हम पूरी तरह से घर के इंटरनेट कनेक्शन पर आश्रित हैं और ऐसे में कभी-कभार इसमें परेशानियां भी आती हैं। इससे हमने यह सीख ली है कि वाई-फाई पर आश्रित होने की बजाय हम डायरेक्ट (ईथरनेट) कनेक्शन से समस्याओं को सुलझा सकते हैं।

पावरकट (बिजली गुल होने) के लिए तैयार रहना: भारत में बिजली जाना आम बात है, विशेष तौर पर गर्मियों में। अब, जब हम घर पर काम कर रहे हैं तो अचानक से हुए पावरकट के लिए खुद को तैयार रखने में ही समझदारी है। इसके लिए आपका लैपटॉप और स्मार्टफोन हर समय





पूरी तरह चार्ज होना चाहिए। किसी ऑनलाइन क्लास में शामिल होने के लिए बेहतर है कि आप अपने फोन में ही एप डाउनलोड कर लें, ताकि आपकी स्टडी में कोई दिक्कत न आए। जरूरी फाइल्स को डाउनलोड करके रखना चाहिए।

सोशल मीडिया का सही उपयोग कैसे किया जाए: सोशल मीडिया के किसी न किसी प्लेटफॉर्म से हर कोई जुड़ा हुआ है। कोविड-19 के विषय में सूक्ष्म से सूक्ष्म जानकारी से लेकर कुकिंग चैलेंजेज आदि लॉकडाउन के समय में मुख्य गतिविधियां रही हैं। पूरी दुनिया में सोशल मीडिया के सभी प्लेटफॉर्म लोगों के मनोरंजन का साधन भी बने रहे। लोग घर बैठे-बैठे ही क्रिएटिव वीडियो भी बनाने लगे हैं।

मैसेजिंग प्लेटफॉर्म का बेहतर इस्तेमाल: मैसेजिंग एप्स के जरिये आप के घर तक जरूरत का सामान पहुंचाने की सुविधा मिली है। इतना ही नहीं वॉट्सएप पर डब्ल्यूएचओ और सरकार की ओर से कोविड-19 संबंधी प्रश्नों के उत्तर भी दिए जाने शुरू हुए हैं।

अफवाहों से बचने का तरीका: लॉकडाउन में हम समझ पा रहे हैं कि किसी भी सूचना के लिए ऑफिशियल वेबसाइट्स पर ही विश्वास करें और हर फेक न्यूज से बचने का प्रयास करें।

जूम 5.0 देगा और भी अधिक सुरक्षा

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्लेटफॉर्म जूम हाल के दिनों में पूरी दुनिया में काफी लोकप्रिय हुआ है। इस पर आप एक साथ 1000 लोगों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर सकते हैं। यह एप मुफ्त सुविधा भी देता है और पेड सब्सक्रिप्शन प्लान भी उपलब्ध कराता है। पर जब सुरक्षा को लेकर बात आती है तो यह कठघरे में खड़ा कर दिया जाता है। जूम 5.0 के लेटेस्ट अपडेट के जरिए इस एप ने इस तरह की कुछ समस्याओं पर काबू पाने की कोशिश की है। कंपनी के अनुसार जूम अब पहले के मुकाबले ज्यादा सुरक्षित हो गया है।



- जूम 5.0 अब जीएमसी (गेलोइस/काउंटर मोड) एन्क्रिप्शन का इस्तेमाल कर रहा है, जो एक तरह का एल्गोरिदम है, जो ज्यादा मजबूत प्रमाण देता है और साथ ही एरर डिटेक्टिंग कोड भी उपलब्ध कराता है। एल्गोरिदम के जरिये आपको जान-बूझकर किए गए और अप्रामाणिक बदलावों के विषय में जानकारी मिल जाती है।
- आसान शब्दों में कहा जाए तो अब जूम 5.0 को हैक करना काफी मुश्किल हो गया है, और यदि कोई हैक करने की कोशिश करता है या मीटिंग में घुसने की कोशिश करता है तो उसका पता चल जाएगा। जीसीएस 256 बिट्स एन्क्रिप्शन का एडवांस्ड एन्क्रिप्शन स्टैंडर्ड के साथ इस्तेमाल करता है। इसलिए इसे क्रैक करना मुश्किल है।
- जूम 5.0 अपडेट हाल में ही रिलीज किया गया और 30 मई को कंपनी जूम 5.0 को सभी के लिए अनिवार्य कर देगी। यानी आप 30 मई के बाद पुराने वर्जन से इस एप को इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। इसी के साथ जूम 5.0 में कॉल के होस्ट को और ज्यादा कंट्रोल मिलेगा। जहां वो स्क्रीन शेयर, चैट आदि को कंट्रोल कर पाएंगे और यदि प्लेटफॉर्म का गलत इस्तेमाल हो रहा है तो उसे रिपोर्ट भी कर पाएंगे। वैसे तो क्लाउड रिकॉर्डिंग्स जटिल पासवर्ड द्वारा एन्क्रिप्ट की ही जाएंगी।
- ऑडियो वाटरमार्क नाम का एक नया फीचर भी इसमें एड किया गया है।





12वीं के बाद कॉमर्स में ट्रेडिशनल कोर्स

कॉमर्स के परंपरागत कोर्स आज भी सम्मानजनक भविष्य की गारंटी माने जाते हैं। 12वीं में कॉमर्स की पढ़ाई करने के बाद कौन-कौन से लोकप्रिय परंपरागत कोर्स हैं, जहां कॉमर्स के छात्र उच्च शिक्षा हासिल करके अपना करियर बना सकते हैं, जानें इस लेख में

बारहवीं तक कॉमर्स की पढ़ाई करने वाले ज्यादातर छात्र आज भी स्किल्स आधारित कोर्स करके बाजार में बीकॉम और एमकॉम की डिग्री की मदद से करियर बना रहे हैं। 12वीं में कॉमर्स स्ट्रीम के छात्र आगे चल कर लॉन्ग टर्म और शॉर्ट टर्म, दोनों को ध्यान में रख कर अपना करियर आसानी से बना सकते हैं।

बीकॉम ऑनर्स

बीकॉम ऑनर्स एक स्पेशलाइज्ड कोर्स है, जिसे करने के बाद आमतौर पर छात्र किसी बैंक, फाइनेंशियल इंस्टीट्यूट, सरकारी, गैर-सरकारी संस्थान और उद्योग आदि में नौकरी कर सकते हैं। एक्सपर्ट कहते हैं कि बारहवीं में कॉमर्स पढ़ने वाला छात्र बीएससी फिजिक्स, रसायनशास्त्र या बॉटनी भले ही नहीं कर सकता, लेकिन इससे इतर वह कॉमर्स से संबंधित सभी कोर्स में दाखिला ले सकता है। आज कॉमर्स के छात्र, जिन्होंने 12वीं में गणित पढ़ी है, वह गणित, स्टेटिस्टिक्स या ऑपरेशनल रिसर्च कर सकते हैं। वह बीएससी कंप्यूटर साइंस भी कर सकते हैं।

बीकॉम प्रोग्राम

इसमें फाइनेंशियल अकाउंटिंग, इकोनॉमिक्स, बिजनेस संगठन, मैनेजमेंट, कंपनी लॉ, मार्केटिंग, मानव संसाधन, सांख्यिकी, ई-कॉमर्स, मार्केटिंग और अंग्रेजी में कम्युनिकेशन स्किल आदि का अध्ययन कराया जाता है। इसमें अच्छे अंक लाने पर ही आगे एमकॉम में दाखिले का रास्ता निकल कर सामने आता है। बीकॉम प्रोग्राम में दाखिला बीकॉम ऑनर्स की तुलना में कम अंकों पर मिल जाता है। इसमें छात्रों को एंटरप्रिन्योरशिप की ट्रेनिंग देने पर भी जोर दिया जाता है।

सीएस

सीएस यानी कंपनी सेक्रेटरीशिप का कोर्स आमतौर पर बारहवीं के बाद

ट्रेडिशनल कोर्स क्यों?

ज्यादा सीटें और एडमिशन में आसानी: प्रोफेशनल कोर्सेज की तुलना में ये कोर्सेज यूनिवर्सिटी में कहीं अधिक उपलब्ध हैं, इस कारण एडमिशन पाना अपेक्षाकृत काफी आसान है। 10+2 में अच्छे मार्क्स होने पर मनचाहे ट्रेडिशनल कोर्स में एडमिशन पाना मुश्किल नहीं है। आमतौर पर इनके लिए किसी चयन परीक्षा का भी आयोजन नहीं किया जाता।

कम सिलेबस का बोझ: यह माना जाता है कि ट्रेडिशनल कोर्सेज का सिलेबस प्रोफेशनल कोर्सेज की तुलना में कहीं हलका होता है। कई विषय होने के कारण विभिन्न विषयों का ज्ञान प्राप्त होता है, जिनमें से अधिकांश प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर वास्तविक जिंदगी से जुड़े होते हैं।

कम फीस: यह एक सच्चाई है कि सरकारी ही क्या, प्राइवेट यूनिवर्सिटी द्वारा संचालित ट्रेडिशनल कोर्सेज में आज भी प्रोफेशनल कोर्सेज की तुलना में अत्यंत कम फीस ली जाती है।

कम समय में डिग्री: आमतौर पर समस्त ट्रेडिशनल कोर्सेज की अवधि तीन वर्ष होती है, जबकि प्रोफेशनल कोर्सेज चार से पांच वर्ष तक के भी हो सकते हैं।

हिंदी माध्यम का विकल्प: अधिकांश ट्रेडिशनल कोर्सेज में हिंदी माध्यम का भी विकल्प होता है, जबकि लगभग सभी प्रकार के वोकेशनल/प्रोफेशनल कोर्सेज में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी ही होता है। हिंदी माध्यम से स्कूली शिक्षा पूरी करने वाले अथवा अंग्रेजी में कमजोर युवाओं के लिए ऐसे कोर्सेज में काफी मुश्किल होती है।

प्रतियोगी परीक्षाओं में उपयोगिता: विविध विषयों के चयन की छूट के कारण प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुसार विषयों की पढ़ाई/तैयारी करना संभव हो पाता है। इनमें रेलवे, बैंकिंग, स्टाफ सिलेक्शन कमीशन और यूपीएससी द्वारा आयोजित की जाने वाली चयन परीक्षाओं का उल्लेख किया जा सकता है। यानी एक पंथ-दो काज।

ओपन यूनिवर्सिटी और पत्राचार माध्यम से उपलब्ध: ट्रेडिशनल कोर्सेज ओपन और पत्राचार माध्यम से भी आसानी से किए जा सकते हैं। देश में तमाम यूनिवर्सिटीज में ये कोर्स संचालित किए जाते हैं।



कराया जाता है। इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया देश में विभिन्न जगहों पर स्थित सेंटरों के जरिए तीन स्तरीय कोर्स कराता है। कंपनी सेक्रेटरी बनने के दो रास्ते हैं। पहला बारहवीं के बाद और दूसरा स्नातक के बाद। बारहवीं पास छात्र को तीन स्तरीय कोर्स करना होता है। पहली स्टेज पर फाउंडेशन, दूसरे पर एग्जिक्यूटिव और तीसरे स्तर पर प्रोफेशनल प्रोग्राम होता है। कंपनी की प्रशासनिक जिम्मेदारियों को संभालने का काम करता है सीएस। कॉरपोरेट लॉ, सुरक्षा कानून, कैपिटल मार्केट और कॉरपोरेट गवर्नेंस आदि का वह जानकार होता है।

सीए

चार्टर्ड अकाउंटेंसी का कोर्स इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इंडिया कराता है। यह कोर्स सभी डिसिप्लिन के छात्रों को रोजगार की अलग राह दिखाता है। व्यवहार में आमतौर पर बारहवीं में कॉमर्स पढ़ने वाले या बीकॉम के छात्रों का यह सबसे पसंदीदा कोर्स है, क्योंकि इसके सिलेबस में कॉमर्स का भाग ज्यादा है। बीकॉम का बहुत-सा पाठ्यक्रम सीए में भी पढ़ाया जाता है। पारंपरिक करियर के तौर पर सीपीटी परीक्षा पास करके सीए यानी चार्टर्ड अकाउंटेंसी का कोर्स जॉइन किया जाता है और तीन स्तरों पर इसे पूरा करना होता है। इसे करने के बाद किसी भी कंपनी, बैंक, फाइनेंशियल इंस्टीट्यूट के साथ रिसर्च संस्थान, इक्विटी शेयर, ट्रेजरी या किसी कंपनी में ऑडिट विभाग में जा सकते हैं। सीए बन कर खुद की प्रैक्टिस भी कर सकते हैं।

कॉस्ट अकाउंटेंसी

सीए से मिलता-जुलता कोर्स और काम है कॉस्ट अकाउंटेंट का। वस्तुओं की वास्तविक लागत क्या है, उसे किस कीमत पर और कितने मुनाफे के साथ बाजार में उतारना है, इसका हिसाब-किताब और आकलन करने का काम कॉस्ट अकाउंटेंट करता है। इसके लिए भी कोर्स और ट्रेनिंग की जरूरत पड़ती है। दि इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एंड वर्क्स अकाउंटेंट ऑफ इंडिया इसके लिए विभिन्न चरणों में कोर्स पूरा कराता है। इसे पूरा करने वाले छात्र को कॉस्ट अकाउंटेंट और इससे जुड़े पदों पर काम करने का मौका मिलता है। कॉस्ट अकाउंटेंट बनने के लिए 12वीं पास छात्र को पहले फाउंडेशन कोर्स करना होता है। इसके लिए दि इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एंड वर्क्स अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया में आवेदन करना होता है। एडमिशन के लिए जून और दिसम्बर में प्रवेश परीक्षा होती है। फाउंडेशन कोर्स के बाद इंटरमीडिएट कोर्स करना होता है और फिर सीए की तरह ही फाइनल परीक्षा देकर कोर्स पूरा होता है।

फाइनेंशियल स्टडीज

कॉमर्स के छात्रों के लिए फाइनेंशियल स्टडीज का कोर्स भी कई दशकों से विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में कराया जा रहा है। यह बीकॉम ऑनर्स से थोड़ा हट कर है। यह फाइनेंस के क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन की ओर ले जाता है। सरकारी के अलावा आज यह कोर्स निजी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में भी चलाया जा रहा है। इसे करने के बाद छात्र फाइनेंशियल स्टडीज में एमए कर सकते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय ऐसे छात्रों के लिए फाइनेंस में एमए कराता है।

अर्थशास्त्र

अर्थशास्त्र ऑनर्स की पढ़ाई वैसे तो आर्ट्स और सोशल साइंस से जुड़ी मानी जाती है, लेकिन व्यावसायिक गतिविधियों से संबंधित होने के कारण बीकॉम के छात्र इसमें ज्यादा रुचि लेते हैं। बारहवीं में कॉमर्स की पढ़ाई करने वाले बहुत से छात्र आगे चल कर अर्थशास्त्र में स्पेशलाइजेशन की ओर बढ़ते हैं। वे अर्थशास्त्र से बीए और एमए करते हैं। आगे चल कर विभिन्न व्यावसायिक, फाइनेंस और बैंकिंग संस्थाओं में अर्थशास्त्री के रूप में काम करते हैं। यह क्षेत्र परंपरागत तौर पर कॉमर्स के छात्रों के लिए खासा आकर्षण का केन्द्र बना रहा है।

गणित ऑनर्स

कॉमर्स के ऐसे छात्र, जिन्होंने गणित में बहुत अच्छे अंक हासिल किए हैं, उनके लिए गणित और इससे संबंधित सांख्यिकी और ऑपरेशनल रिसर्च जैसे कोर्स भी कॉलेजों में उपलब्ध हैं। दाखिले के दौरान अनिवार्य रूप से गणित की मांग की जाती है। बीएससी गणित या बीएससी सांख्यिकी के कोर्स कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में लंबे अरसे से चल रहे हैं। उन्हें कट ऑफ या प्रवेश परीक्षा के आधार पर दाखिला दिया जाता है।

कंप्यूटर साइंस

कॉमर्स के छात्र, जिन्होंने बारहवीं में कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई की है, वे स्नातक में कंप्यूटर साइंस से अपनी पढ़ाई जारी रख सकते हैं। बीएससी कंप्यूटर साइंस या बैचलर इन कंप्यूटर एप्लिकेशन में ऐसे छात्रों को बखूबी दाखिला दिया जाता है। कंप्यूटर में डिप्लोमा कोर्स के जरिए भी आप अपनी पढ़ाई जारी रख सकते हैं।

फीचर टीम



सीखें फोटोग्राफी का हुनर

जो कला कभी हॉबी हुआ करती थी, आज वही करियर बनाने में भी आपके काम आ सकती है। आपको बस उसमें निपुणता की जरूरत है। ऐसी ही एक दिलचस्प कला है फोटोग्राफी। इस क्षेत्र में तगड़ी प्रतिस्पर्धा है। ऐसे में इस कला में आपको पारंगत होना होगा। ऑनलाइन कोर्स से इसमें मदद मिल सकती है। बता रही हैं **स्वाति शर्मा**

हर बात पर सेल्फी लेना, हर पल को कैमरे में कैद करना...कुछ यही शगल है आज के युवाओं का। आज मोबाइल फोन के साथ हर हाथ में कैमरा है। पर अगर आप में फोटोग्राफी का शौक किसी जुनून की तरह है और सिर्फ इतने भर से काम नहीं चलता, यानी तसवीर की क्वालिटी और इफेक्ट जैसे तमाम तकनीकी पहलुओं पर भी आपका ध्यान जाता है तो आप एक बेहतरीन करियर को अपना सकते हैं।

फोटोग्राफी की कला को निखार कर आप इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। इसके लिए आपको भारी भरकम फीस अदा करके कोर्स करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इंटरनेट पर आपके लिए निःशुल्क कोर्स मौजूद हैं। शुरुआती दौर के इस कोर्स में फोटोग्राफी की उन तमाम बुनियादी बातों को शामिल किया गया है जो आपको बेहतरीन तसवीरें खींचने में मदद करेंगी। इस कोर्स में उन सभी बातों को शामिल किया गया है, जिन्हें सीखने के बाद आप प्रोफेशनल फोटोग्राफर की तरह काम कर सकेंगे।

क्या सीखेंगे

कोर्स सिर्फ 1 घंटा 41 मिनट का है। इसके जरिए आप में फोटोग्राफी की बुनियादी समझ विकसित हो जाएगी। आप फ्रेमिंग, एंगल जैसी जरूरी बातों के बारे में जानेंगे। इसके अलावा आपको लाइट के बारे में भी समझाया जाएगा। जैसे लाइट के कई पहलू, एक्सपोजर, कॉन्ट्रास्ट आदि। लाइटिंग टूल भी आपके कोर्स में शामिल है। विषय का चुनाव करना भी सिखाया जाएगा, जिसके कारण आपकी तसवीर प्रभावशाली दिखेगी। फोटोग्राफी के इन टूल्स के अलावा आपको किसी भी कैमरे को कैसे मैनुअल मोड से शूट करना है, यह भी सिखाया जाएगा। इसके साथ ही पलों को बेहतरीन तरीके से कैद करने का हुनर भी सीखेंगे। कोर्स में तसवीरों को एडिट करने का गुर भी सीखेंगे।

सिलेबस

कोर्स काफी कम अवधि का है। इसलिए इसमें पाठ्यक्रम अधिक विस्तार से नहीं है। सभी विषयों पर करीब 5 मिनट के वीडियो हैं, जो क्रमानुसार आपको देखने को मिलेंगे। पाठ्यक्रम में मुख्यतः 6 विषयों को शामिल किया गया है। शुरुआत होगी कम्पोजिशन सीखने से। इसमें आपको कम्पोजिशन एंड फ्रेमिंग, एंगल, रूल ऑफ थर्ड और लीडिंग लाइन्स के बारे में बताया जाएगा।

दूसरा विषय है यूजिंग लाइट। यहां एक्सपोजर एंड कॉन्ट्रास्ट, आस्पेक्ट्स ऑफ लाइट, अवेलेबल लाइट, एडेड लाइट, थ्री पॉइंट लाइटिंग, और लाइटिंग टूल्स की बात की जाएगी। तीसरा विषय है चूजिंग द सब्जेक्ट, जिसमें पोर्ट्रेट, लैंडस्केप, वाइल्डलाइफ, ऑब्जेक्ट, एक्शन, मैक्रो और एक्सपेरिमेंटल का इस्तेमाल करना सिखाया जाएगा। चौथे विषय मैनुअल कैमरा फंक्शन्स में आप शटर, एपर्चर, आईएसओ, वाइट बैलेंस, फोकस और लेंस के इस्तेमाल के बारे में जान सकेंगे।

पांचवा विषय है- कैप्चरिंग द मोमेंट, जिसमें टाइमिंग, प्लानिंग, पेशेंस और कंटीनुअस शूटिंग सिखाई जाएगी। आखिरी विषय है- ट्रीटिंग योर फोटो, जहां आपको क्रॉपिंग एंड ओरिएंटेशन, एक्सपोजर एंड कॉन्ट्रास्ट फिक्सेज, कलर फिक्सेज और अन्य टूल्स के बारे में बताया जाएगा।

कोर्स : फोटोग्राफी बेसिक्स

शुरू होने की तारीख : कभी भी शुरू कर सकते हैं। प्रमाण पत्र की फीस : निःशुल्क
अवधि: करीब दो घंटा

अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें - https://bit.ly/3frfkBz

कैसे होगी पढ़ाई

कोर्स को अपनी सुविधा से कभी भी शुरू कर सकते हैं। इसके लिए आपको दिए गए लिंक पर जाना होगा। ये कोर्स शुरुआती स्तर का और निःशुल्क है। इसके अलावा एडवांस लेवल के कोर्स के लिंक भी यहीं मिल जाएंगे, जिसके लिए आपको फीस अदा करनी होगी। कोर्स में प्रमाण-पत्र शामिल नहीं है।

क्या है करियर

शादी समारोह की विस्तृत फोटोग्राफी, जैसे प्री-वेडिंग शूट आदि के अलावा भी इस क्षेत्र में अच्छा खासा करियर बनाया जा सकता है। फोटो जर्नलिस्ट, फाइनआर्ट फोटोग्राफर, इंडस्ट्रियल फोटोग्राफर, पोर्ट्रेट फोटोग्राफर जैसे कई विकल्प आपकी राह देख रहे हैं।

तय समय में कार्य पूरा करना है कला

अपनी क्षमता और जिम्मेदारी से अधिक काम करना हमें जीवन में आगे ले जाता है, पर इससे हमें अपने अन्य जरूरी निजी कार्यों को पूरा करने का समय नहीं मिलता। कुछ ऐसे उपाय जानिए, जो आपके कार्य और जीवन के बीच संतुलन स्थापित करते हैं।

दिन के चौबीस घंटों में से आठ घंटे हम काम करते हैं। इस अवधि में हममें से कुछ को वे नतीजे मिल जाते हैं, जिनके लिए काम किया जाता है और काम करते हुए वे खूब मजा भी करते हैं, जबकि अन्य 10 से 12 घंटे काम करते हैं, फिर भी उनके बहुत से काम अधूरे रह जाते हैं। कम समय में ज्यादा काम करना हमें जीवन में आगे ले जाता है और इसी आधार पर हम अपने कार्यस्थल से इतर कुछ अन्य काम भी कर पाते हैं। कार्य और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाने के कुछ जरूरी उपाय यहां दिए जा रहे हैं -

- रविवार रात से शुरू करें। अपने वीकेंड का आनंद उठाएं और रविवार की रात सोने से पूर्व अगले सप्ताह की प्लानिंग जरूर कर लें। यह समय पूरे सप्ताह का सबसे अच्छा समय महसूस होगा और आपका संतुलन बनाए रखेगा। इसका लाभ यह होगा कि सोमवार सुबह काम लेकर हड़बड़ाएंगे नहीं।
- कार्य सूची बनाएं। उसे प्रतिदिन सुबह कार्यस्थल पर पहुंचने और शाम को लौटने से पूर्व दोहराएं। यदि आप रविवार की रात को मास्टर प्लान तैयार कर लेते हैं तो प्रतिदिन उस पर दस मिनट से अधिक समय आपको नहीं लगाना होगा। इससे आप हमेशा खुद को हर परिस्थिति के लिए तैयार पाएंगे।
- अति महत्वाकांक्षा ठीक नहीं। अपने साथ यह गलती न करें और दूसरों पर भी दबाव न डालें। यदि कोई काम करते हुए आप एक सीमा में दूसरों से अपेक्षा रखते हैं तो अन्य लोगों में हताशा या कुंठा कम से कम फैलेगी।
- कठिन कार्य पहले। मुश्किल कार्यों को पहले निपटा कर समाप्त कर दें। उन पर बाद में बिना मतलब समय नष्ट करना या उनके बारे में परेशान होते रहना ठीक नहीं।
- कार्य के दौरान कभी भी ऐसी समस्या या कोई काम आ सकता है, जिसकी आपने तैयारी नहीं की थी, जैसे कोई मीटिंग या कोई अतिरिक्त रिपोर्ट, जिसके आधार पर कार्य में कुछ परिवर्तन करने पड़ सकते हैं। ऐसी अप्रत्याशित समस्याओं को सदा मुस्करा कर अपनाएं, क्योंकि आपका कोई भी सीनियर यह नहीं देखना चाहता कि उसकी टीम के सदस्य कुछ अतिरिक्त कार्यों को देख कर नाक-मुंह चढ़ाएं।
- न कहें और अडिग रहें। किसी काम को मना करना अधिकतर लोगों के लिए आसान नहीं होता। ज्यादातर लोग अपनी क्षमता से बड़ा काम ले लेते हैं और उसके अधूरे रह जाने की सूरत में रुआंसे होते दिखते हैं। काम के लिए हां करने या मना करने के निर्णय पर डटे रहना जरूरी होता है। किसी भी नकारात्मक वार्तालाप आदि को पूरी तरह 'न' कहें। लगातार डेढ़-दो घंटे काम करते रहे हों तो फिर कुछ देर ब्रेक लें। गहरी सांसें लें, चलें-फिरें तथा कंप्यूटर और मोबाइल फोन से दूर रहें।
- लंच के दौरान कोशिश करें कि दूसरे विभाग के सहकर्मी आपकी टेबल पर हों। इससे आपके नए संबंध विकसित होते हैं और वे तब बहुत काम आते हैं, जब विशिष्ट किस्म के कार्यकलाप शुरू होते हैं। नए संबंध हमेशा बहुत काम आते हैं। नकली संबंधों की पहचान भी तुरंत हो जाती है।
- मीटिंग्स में अपनी बात को संक्षिप्त और प्रभावशाली ढंग से कहना सीखें। ऐसे में विमर्श अकसर कई दिशाओं में खिंच जाता है। ठीक यही होगा कि विनम्रता का प्रदर्शन करते हुए बहस को मुद्दे पर लौटाने का प्रयास करें।
- मदद मांगने में झिझकें नहीं। यदि कोई चुनौतीपूर्ण कार्य सामने आए तो आप उसे खुद पूरा करने में रोमांच महसूस करते हैं, लेकिन उस प्रक्रिया में कहीं अटक जाते हैं तो अन्य लोगों से मदद मांगने में झिझकें नहीं। यह जरूरी है कि समय पर काम पूरा किया जाए, न कि अन्य प्राथमिकताओं की कीमत पर उसे ज्यादा समय लगाकर खुद पूरा करने में लगे रहें।

जो काम पूरा हो जाए, उसे सूची से हटा दें। ऐसा करने पर दिन के अंत में आपको संतुष्टि का एहसास होगा। आगे बढ़ें और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास करें।

दीपा





बैचलर और मास्टर डिग्री में नामांकन के साथ सरकारी नौकरी की तैयारी के लिए उपयोगी सोशल मीडिया पेज की जानकारी दी जा रही है आज के अंक में। इसके साथ ही भारत में बने वर्ल्ड रिकॉर्ड और एनएचआरसी के बारे में रोचक जानकारी दे रहे हैं परितोष राज

वेबसर्च

http://www.ipu.ac.in/

- दिल्ली की गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी ने जुलाई 2020 सत्र में नामांकन के लिए आवेदन मंगाए हैं।
- इसके तहत बैचलर डिग्री, मास्टर डिग्री, पीएचडी के विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकन के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- बैचलर डिग्री में नामांकन के लिए बारहवीं की परीक्षा उत्तीर्ण करना जरूरी है, जबकि मास्टर डिग्री में नामांकन स्नातक उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को मिलेगा। पीएचडी के लिए मास्टर डिग्री जरूरी है।
- संस्थान की तरफ से आयोजित कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) के जरिए छात्रों का नामांकन किया जाएगा। इसके अलावा कुछ कोर्स में नामांकन के लिए साक्षात्कार भी होगा।
- यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर क्लिक कर प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 25 मई 2020 है।

मोबाइल एप

Exam Preparation App: Free Mock tests

- प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले और प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों को ध्यान में रखकर इस मोबाइल एप्लिकेशन को तैयार किया गया है।
- इस एप में कैटेगरी के अनुसार परीक्षाओं के नाम दिए गए हैं और उस परीक्षा के सिलबेस पर आधारित प्रैक्टिस सेट्स और नोट्स दिए गए हैं।
- 50 से ज्यादा अलग-अलग तरह की परीक्षाओं के लिए यहां पर काफी उपयोगी स्टडी मैटीरियल है, जो तैयारी में काफी मददगार साबित होगा।
- बैंक पीओ, बैंक क्लर्क, आरबीआई, आईबीपीएस, यूपीएससी, आईबी, एनआईसीएल, एसएससी, यूजीसी, एनडीए, सीडीएस, एसएससी जैसी कई सरकारी नौकरियों की तैयारी के लिए यहां जानकारी दी गई हैं।
- एमबीए, बीबीए, इंजीनियरिंग, मेडिकल, गेट, जीआरई और अन्य प्रवेश परीक्षा के लिए सिलबेस पर आधारित नोट्स और मॉक टेस्ट की सुविधा उपलब्ध है इस एप में।

तसवीर में खबर

भारत में तैयार कार ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

दक्षिण कोरियाई कंपनी हुंडई की भारत में तैयार इलेक्ट्रिक कार कोना ने अपने नाम एक नया रिकॉर्ड कायम किया है। कोना ने सबसे ऊंचाई पर चलने वाली इलेक्ट्रिक कार का खिताब अपने नाम किया है और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में इसे शामिल किया गया है। इस इलेक्ट्रिक कार को तिब्बत में साउला पास तक 5,731 मीटर की ऊंचाई तक चलाया गया था। यह कार भारत में तैयार की गई है। इससे पहले यह रिकॉर्ड नियो ईएस80 के नाम था। इस कार ने 5,715 मीटर की ऊंचाई तय की थी। हुंडई कोना की अधिकतम स्पीड 145 किलोमीटर प्रति घंटा है और एक बार चार्ज करने पर यह कार 425 किमी की दूरी तय कर सकती है।



मौके

सीपीसीबी में 48 पदों पर भर्ती

- सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) ने लोअर डिविजन क्लर्क, मल्टी टास्किंग स्टाफ, जूनियर क्लर्क समेत विभिन्न 48 पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं।
- लोअर डिविजन क्लर्क के 13 पदों पर आवेदन करने के लिए किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं या समकक्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना जरूरी है। वहीं मल्टी टास्किंग स्टाफ के पद पर आवेदन के लिए मैट्रिकुलेशन या समकक्ष की परीक्षा पास करना जरूरी है।

आवेदन के लिए आवेदकों की आयु 18 से 25 वर्ष निर्धारित की गई है। आरक्षित वर्ग के आवेदकों को नियमानुसार छूट दी जाएगी। आयु सीमा की गणना 25 मई 2020 के आधार पर की जाएगी।

- लिखित परीक्षा और इंटरव्यू के आधार पर आवेदकों का चयन होगा। चयनित आवेदकों की नियुक्ति सातवें वेतन आयोग के नियमानुसार होगी।
- ऑनलाइन आवेदन के लिए www.cpcb.nic.in पर क्लिक करें।
- आवेदन की अंतिम तिथि 25 मई 2020 है।

कैरी मिनाटी
कामयाबी की कहानी

... और बन गए जाने-माने यूट्यूबर

आमतौर पर कहा जाता है कि युवा इन दिनों वीडियो गेम और सोशल मीडिया पर अपना काफी समय बर्बाद करते हैं, लेकिन इन्हीं दोनों चीजों का सही इस्तेमाल कर कुछ लोगों ने काफी नाम और पैसा कमाया। इन्हीं में से एक हैं कैरी मिनाटी।

- कैरी आज के समय में जाने-माने यूट्यूबर हैं और अपने यूट्यूब चैनल की वजह से वह दुनिया भर में मशहूर हो चुके हैं। वह 'कैरी मिनाटी' नाम से यूट्यूब चैनल चलाते हैं और एक करोड़ से ज्यादा लोगों ने उनके चैनल को सब्सक्राइब किया है।
- 21 साल के कैरी को हाल ही में प्रतिष्ठित फोर्ब्स की 30 अंडर 30 लिस्ट में शामिल किया गया है। पिछले साल टाइम मैगजीन ने 'नेक्स्ट जेनरेशन लीडर्स 2019' की सूची में उन्हें जगह दी थी। इसमें दुनिया के 10 युवाओं को जगह दी गई थी।
- बचपन से ही उन्हें वीडियो गेम्स खेलना काफी पसंद था, साथ ही वह काफी शानदार तरीके से मिमिक्री भी करते रहे हैं। पढ़ाई से ज्यादा समय उनका वीडियो गेम में ही जाता था।
- महज 10 साल की छोटी उम्र में उन्होंने यूट्यूब पर वीडियो अपलोड करना शुरू कर दिया और साल 2016 में डिस्क ट्रैक (दूसरों पर निशाना साधते हुए रैप करना) के जरिए लोकप्रियता हासिल की।
- पढ़ाई में मन नहीं लगता था, ऐसे में 11वीं के बाद उन्होंने पढ़ाई छोड़ दी और अपना पूरा ध्यान यूट्यूब पर केंद्रित कर लिया। पेरेंट्स से काफी मिन्नतें करने के बाद उनके पास एक कंप्यूटर और माइक आया और तब उन्होंने यूट्यूब के लिए वीडियो बनाना शुरू कर दिया।
- शुरुआत में उनके वीडियो को बहुत कम लोग देखते थे, लेकिन उन्होंने अपनी मेहनत जारी रखी। दिन-रात वह कठिन मेहनत करके वीडियो बनाते थे और उसे अपलोड करते थे। उनकी लगन और मेहनत रंग लाई और उनके वीडियो पॉपुलर होने लगे। साथ ही यूट्यूब पर उनके सब्सक्राइबर्स तेजी से बढ़ने लगे।



- आज के समय में वह अपने यूट्यूब चैनल से काफी पैसे भी कमाते हैं और नाम और सम्मान तो मिलता ही है। उनका मानना है कि आपको वही काम करना चाहिए, जो आपको पसंद हो, लेकिन इसके साथ थोड़ा सा संयम रखना जरूरी है और अपने काम को करते रहना चाहिए।

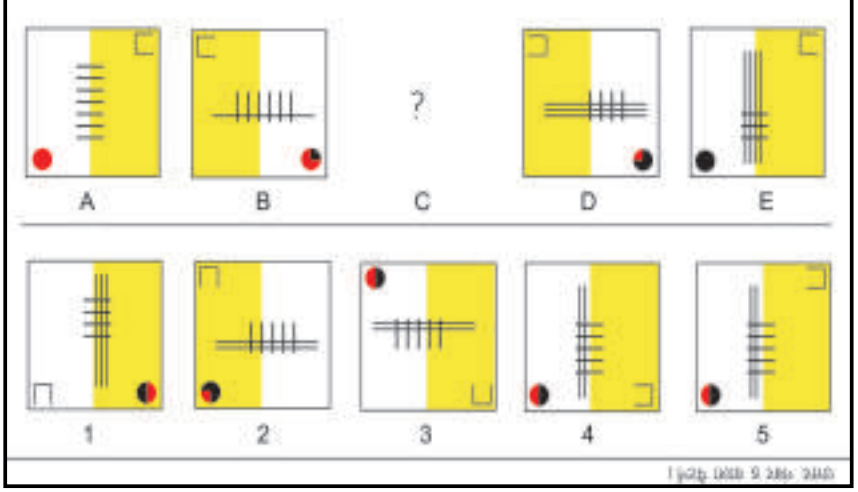
जनरल नॉलेज

एनएचआरसी

- भारत में लोगों के अधिकारों की रक्षा करने और उन्हें न्याय दिलाने का काम राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) करता है।
- एनएचआरसी एक स्वतंत्र वैधानिक संस्था है और मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के प्रावधानों के तहत इसकी स्थापना 12 अक्टूबर, 1993 को की गई थी।
- संविधान की तरफ से प्राप्त जीवन के अधिकार, स्वतंत्रता के अधिकार और समानता के अधिकार जैसे तमाम मानवाधिकारों की रक्षा करने का दायित्व राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का ही है।
- जाति, लिंग, राष्ट्रीयता, भाषा, धर्म या किसी अन्य आधार पर किसी इंसान के साथ इन अधिकारों में भेदभाव नहीं किया जा सकता है।
- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश या पूर्व न्यायाधीश हो सकते हैं। इसके प्रथम अध्यक्ष न्यायमूर्ति रंगनाथ मिश्र थे और फिलहाल न्यायमूर्ति एच एल दत्तू इसके वर्तमान अध्यक्ष हैं।

माइंड गेम

340. तर्क के आधार पर बताएं कि खाली जगह में कौन-सा पैटर्न आएगा?



अंकयोग – 384

	5			2	25
2			4		23
	7				24
4		5		1	18
	4		5		25
19	25	29	20	22	14

5	7	9	1	2	24
3	6	7	8	4	28
7	8	5	4	1	25
2	4	8	7	5	26
1	5	3	9	7	25
18	30	32	29	19	30

खेलने के नियम

इस पहेली में आपको सफेद रिक्त खानों में सही अंक भरने हैं। रंगीन खानों में लिखे अंक सफेद खानों के ऊपर से नीचे, बाएं से दाएं और तिरछे खानों के अंकों के योग हैं। सफेद खानों में आप 1 से 9 तक के अंक ही प्रयोग में ला सकते हैं। उत्तर अगले अंक में देखें।

करियर में भरें एनिमेशन के रंग



कमर्शियल मूवीज, एजुकेशनल डॉक्युमेंट्रीज, एडवर्टाइजिंग फिल्में, मोबाइल गेम्स से लेकर मीडिया से जुड़े किसी भी प्रोफेशन की बात की जा सकती है, जिनमें एनिमेशन की टेक्नीक्स का भरपूर इस्तेमाल किया जाता है। स्कूल - कॉलेज टीचिंग हो या रिसर्च से जुड़े कामकाज, इनमें भी एनिमेटेड मॉडल्स के जरिए कॉन्सेप्ट्स को समझने और समझाने का काम दुनिया भर में अब बड़े पैमाने पर किया जाने लगा है। एनिमेशन की अद्भुत कलाओं से ही विकसित हुई है आज के दौर की हजारों बिलियन डॉलर की गेमिंग इंडस्ट्री। विश्व भर में मोबाइल गेम्स के दीवानों की संख्या जिस तेजी से बढ़ रही है, उतनी ही ज्यादा एनिमेटर्स की मांग में भी बढ़ोतरी देखी जा सकती है। एनिमेशन के ट्रेडिशनल कोर्सेज के लिए नामी संस्थानों द्वारा मोटी फीस वसूली जाती है, लेकिन एनिमेशन टेक्नीक्स सीखने के इच्छुक युवा फ्री ऑनलाइन कोर्स के माध्यम से यह कला बड़े आराम से घर बैठे भी सीख सकते हैं।

स्किल्स

- अच्छा ऑब्जर्वेशन
- क्रिएटिविटी
- ड्रॉइंग एंड स्केचिंग स्किल्स
- धैर्यवान
- कैरेक्टर को दिमाग में उतारकर उसे एनिमेशन का रूप देने की काबिलियत
- टीम में काम करने का गुण
- कंप्यूटर की जानकारी

क्या है एनिमेशन

आम बोलचाल की भाषा में कहें तो एनिमेशन का मतलब है स्टिल फोटोग्राफ्स को मोशन (गतिमान) में दिखलाने की उम्दा कला। इस तकनीक से किसी भी कैरेक्टर को जीवित या चलते-फिरते या अन्य कार्यकलाप करते हुए दिखाया जा सकता है। आजकल कई तरह के ऐसे एनिमेशन कंप्यूटर सॉफ्टवेयर्स प्रचलित हैं।

कोर्स

अंतरराष्ट्रीय स्तर की यूनिवर्सिटीज ही नहीं, तमाम प्राइवेट इंस्टीट्यूट्स भी आज के दौर में एनिमेशन पर आधारित ऑनलाइन कोर्सेज चला रहे हैं। इन कोर्सेज में स्टडी मैटीरियल ऑनलाइन ही मिल जाता है। यह वीडियो लेक्चर और टेक्स्ट के रूप में हो सकता है। प्रायः इस कोर्स के दौरान टू डी और थ्री डी एनिमेशन कंप्यूटर सॉफ्टवेयर से मोशन कैरेक्टर तैयार करना, मॉडल एनिमेशन टेक्नीक्स से एनिमेशन सीक्वेंस का क्रिएशन, वेब डिजाइन एंड इंटरेक्टिव मल्टीमीडिया, टेक्सचरिंग, साउंड प्रोडक्शन, ग्राफिक डिजाइन, पोस्ट प्रोडक्शन आदि पर थ्योरिटिकल और प्रैक्टिकल ट्रेनिंग ऑनलाइन दी जाती है। सर्टिफिकेट हासिल करने के लिए प्रत्येक स्टडी मैटीरियल के अंत में दिए गए क्वेश्चंस या असाइनमेंट को पूरा करके भेजना होता है।

गुरुमंत्र

स्टडी मैटीरियल से दिशा और बेसिक टूल्स के बारे में जानकारी तो मिल सकती है पर इनका इस्तेमाल कैसे और कब करना है, यह आपको अपनी समझ-बूझ और अनुभव से ही धीरे-धीरे सीखना पड़ेगा। समस्या होने पर अनुभवी प्रोफेशनल्स से मदद लेने में कभी झिझकना नहीं चाहिए। इंटरनेट पर आपके टॉपिक से संबंधित कई तरह की जानकारियां विभिन्न वेबसाइट्स पर देखने को मिल सकती हैं। इनसे भी आपकी मुश्किलें आसान होती चली जाएंगी।

अशोक सिंह, करियर काउंसलर

अधिकांश इंस्टीट्यूट सर्टिफिकेट के बदले एक निर्धारित राशि की मांग करते हैं। यकीन मानिए, यह राशि कोर्स फीस की तुलना में बहुत कम होती है।

इंस्टीट्यूट

इस वेबलिंक http://www.acadoceo.com/free-online-animation-courses-resources/ में इस तरह के 27 से अधिक नामी इंस्टीट्यूट/यूनिवर्सिटीज के बारे में जानकारी दी गई है, जहां पर एनिमेशन के विभिन्न पहलुओं पर फ्री ऑनलाइन कोर्सेज चलाए जाते हैं। इन इंस्टीट्यूट में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, एमआईटी यूनिवर्सिटी ऑफ टोक्यो आदि भी शामिल हैं।

अपनी जरूरत और क्षमता के अनुसार कोर्सेज चुनते हुए सीखने की शुरुआत की जा सकती है। कोर्स में उपलब्ध स्टडी मैटीरियल और वीडियो लेक्चर्स से अगर समझने में दिक्कत हो तो इंटरनेट पर सर्फिंग करते हुए अन्य साइट्स पर उपलब्ध संबंधित कॉन्सेप्ट्स का सहारा लिया जा सकता है।

जॉब्स

यह सच है कि हाल के वर्षों में एनिमेशन का इस्तेमाल मीडिया और गेमिंग इंडस्ट्री में तेजी से बढ़ रहा है। इस लॉकडाउन के दौरान भी गेमिंग इंडस्ट्री का कारोबार बढ़ने के संकेत मिले हैं। एक्सपर्ट्स की मानें तो ट्रेंड एनिमेटर्स की मांग आने वाले समय में तेजी से बढ़ेगी। सिर्फ गेमिंग ही नहीं बल्कि मूवीज, डॉक्युमेंट्री फिल्म प्रोडक्शन हाउस, एजुकेशनल फिल्म्स तैयार करने वाली फर्म्स के साथ टीवी चैनल्स और विज्ञापन कंपनियों को भी ऐसे टेक्निकल लोगों की जरूरत रहती है। ऐसे में अपनी स्किल्स, अनुभव, योग्यता और सॉफ्टवेयर्स की जानकारी के अनुसार जॉब्स की तलाश की जा सकती है।

बनें साइबर लॉ के जानकार

इन दिनों लोगों की ऑनलाइन गतिविधियों में तेजी आई है। ऑनलाइन क्लासेज से लेकर खरीदारी भी एप से हो रही हे। दूसरी ओर हैकर भी जानकारी चुराने के लिए इंतजार में रहने लगे हैं। ऐसे में हमें न्याय दिलाने के लिए साइबर लॉ सामने आता है और हमें भारी नुकसान से भी बचाता है। साइबर लॉ पढ़ने के लिए कुछ संस्थानों के बारे में बता रही हैं **चयनिका निगम**

प्रमुख संस्थान

- गवर्नमेंट लॉ कॉलेज, मुंबई
  वेबसाइट- http://www.glcmumbai.com/index.html
- गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
  वेबसाइट- http://www.ipu.ac.in
- नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी, भोपाल
  वेबसाइट- https://www.nliu.ac.in
- अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय, भोपाल
  http://www.abvhv.edu.in

हम सबका ज्यादातर समय इन दिनों वर्चुअल दुनिया में बीत रहा है। वर्चुअल जिंदगी में हमारी एक अलग पहचान भी है। दोनों ही जिंदगियों में जहां दोस्त हैं, वहीं कई दुश्मन भी छिपे हैं। जब वर्चुअल दुनिया में दुश्मन हमला करता है तो साइबर लॉ हमारी मदद करता है। इन दिनों साइबर लॉ की जरूरत बढ़ती ही जा रही है। अब तो ये तेजी से बढ़ता करियर विकल्प भी है। इसमें इंटरनेट पर हुए क्राइम को हैंडल किया जाता है। इस क्षेत्र की पढ़ाई के बाद किसी आईटी कंपनी में वकील, सिक्योरिटी कंप्यूटर ऑडिटर्स, टेक्नो लीगल प्रोफेशनल जैसे ओहदों पर काम करने का मौका मिलता है। इस विषय के एक्सपर्ट्स को पुलिस विभाग का हिस्सा बनने का मौका भी मिलता है।

शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज, दिल्ली

1987 में शुरू हुए शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज को दिल्ली यूनिवर्सिटी का अहम संस्थान माना जाता है। शुरुआत में कॉलेज का नाम कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज रखा गया था। अभी का नाम संस्थान को साल 1997 में मिला। पहले पहल संस्थान में सिर्फ एक कोर्स बैचलर ऑफ बिजनेस स्टडीज की ही शुरुआत हुई थी। फिर 1999 में ये कॉलेज फाइनेंस बेस्ड बीएफआईए नाम का कोर्स शुरू करने वाला पूरे देश का पहला संस्थान भी बना।

फीसः शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज, दिल्ली से साइबर सिक्योरिटी एंड लॉ में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा करने के लिए पहले सेमेस्टर की फीस 34,900 रुपए देनी होती है।

वेबसाइट : https://www.sscbsdu.ac.in/index.php

न्यू लॉ कॉलेज, पुणे

जाने-माने संस्थान भारती विद्यापीठ यूनिवर्सिटी के इस संस्थान न्यू लॉ कॉलेज, पुणे की शुरुआत 1978 में करीब 40 साल पहले हुई थी। बार काउंसिल ऑफ इंडिया के साथ यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन से भी कॉलेज को मान्यता मिली हुई है। नैक ने भी संस्थान को ए प्लस ग्रेड दिया है। कॉलेज की अभी की इमारत 2004 में बननी शुरू हुई थी, जबकि इसका उद्घाटन साल 2005 में हुआ।

फीसः न्यू लॉ कॉलेज, पुणे से साइबर लॉ में डिप्लोमा करने के लिए 10,000 रुपए फीस है।

वेबसाइट : http://bvpnlcpune.org/Home.aspx

नलसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, सिकंदराबाद, हैदराबाद

नलसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ की स्थापना कानून की शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए की गई थी। यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन की ओर से संस्थान को कैटेगरी-1 में रखा गया है। ये एक अकेला ऐसा विधि संस्थान है, जहां एकेडमिक क्रेडिट्स की व्यवस्था की गई। इसके अंतर्गत सीनियर छात्र शिक्षण में भी सहयोग करते हैं।

फीसः नलसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ , सिकंदराबाद, हैदराबाद से एक साल का पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन साइबर लॉ करने के लिए 30,000 रुपए फीस भरनी होती है।

वेबसाइट : http://nalsarpro.org

इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली

1985 में इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी की स्थापना की गई। शुरू में संस्थान के पास करीब 4,500 छात्र थे, जिनकी संख्या अब 30 लाख के करीब है। यूनिवर्सिटी के साथ 29 विदेशी संस्थान भी जुड़े हुए हैं। 810 से भी ज्यादा टीचर्स और 574 एकेडमिक स्टाफ के साथ ये यूनिवर्सिटी बेहतर शिक्षण की ओर लगातार कदम बढ़ा रही है। यहां 228 तरह के सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री और डॉक्टरल प्रोग्राम चलाए जाते हैं।

फीसः इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी से पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन साइबर लॉ करने के लिए 8,400 रुपए की फीस भरनी होती है।

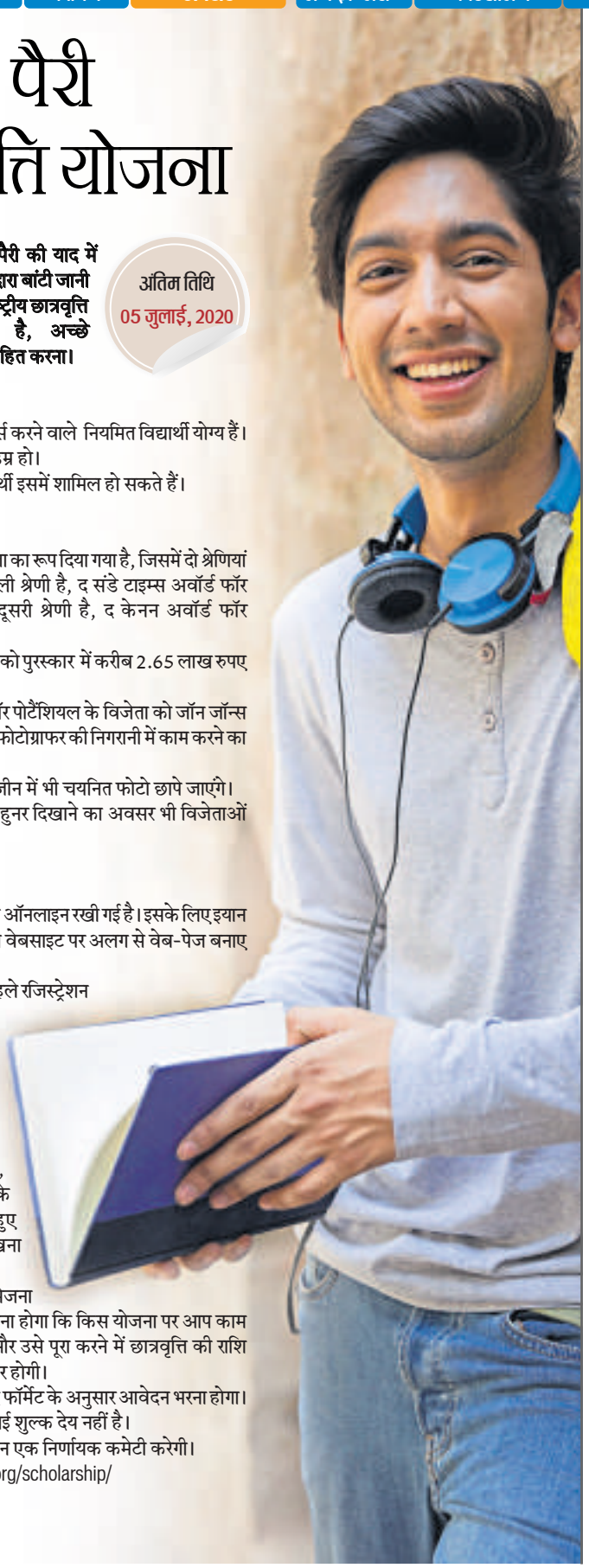
वेबसाइट : http://www.ignou.ac.in



इयान पैरी छात्रवृत्ति योजना

फोटो पत्रकार इयान पैरी की याद में इयान पैरी फाउंडेशन द्वारा बांटी जानी वाली यह एक अंतरराष्ट्रीय छात्रवृत्ति है। इसका उद्देश्य है, अच्छे फोटोग्राफरों को प्रोत्साहित करना।

अंतिम तिथि
05 जुलाई, 2020



योग्यता

- फोटोग्राफी का कोर्स करने वाले नियमित विद्यार्थी योग्य हैं।
- 24 साल से कम उम्र हो।
- सभी देश के विद्यार्थी इसमें शामिल हो सकते हैं।

प्रारूप

- इसे फोटो प्रतियोगिता का रूप दिया गया है, जिसमें दो श्रेणियां बनाई गई हैं- पहली श्रेणी है, द संडे टाइम्स अवॉर्ड फॉर अचीवमेंट और दूसरी श्रेणी है, द केनन अवॉर्ड फॉर पोर्टेशियल
- हर श्रेणी के विजेता को पुरस्कार में करीब 2.65 लाख रुपए दिए जाते हैं।
- द केनन अवॉर्ड फॉर पोर्टेशियल के विजेता को जॉन जॉन्स जैसे विश्वप्रसिद्ध फोटोग्राफर की निगरानी में काम करने का मौका मिलेगा।
- द संडे टाइम्स मैगजीन में भी चयनित फोटो छापे जाएंगे।
- विदेशों में अपना हुनर दिखाने का अवसर भी विजेताओं को मिलेगा।

ऐसे करें आवेदन

- आवेदन की प्रक्रिया ऑनलाइन रखी गई है। इसके लिए इयान पैरी फाउंडेशन की वेबसाइट पर अलग से वेब-पेज बनाए गए हैं।
- आवेदन करने से पहले रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है।
- आवेदन के तहत 12 फोटोग्राफ की एक पोर्टफोलियो या फोटो-सिरीज भेजनी होगी, जिसमें हर फोटो के बारे में बताते हुए कैप्शन लिखना अनिवार्य है।
- एक प्रस्ताव भी भेजना होगा, जिसमें बताना होगा कि किस योजना पर आप काम करना चाहते हैं और उसे पूरा करने में छात्रवृत्ति की राशि किस तरह मददगार होगी।
- वेबसाइट पर मौजूद फॉर्मेट के अनुसार आवेदन भरना होगा।
- किसी तरह का कोई शुल्क देय नहीं है।
- विजेताओं का चयन एक निर्णायक कमेटी करेगी।

वेबसाइटः ianparry.org/scholarship/

लोगो डिजाइन प्रतियोगिता

सागरमाला, पोत परिवहन मंत्रालय द्वारा आयोजित लोगो यानी प्रतीक-चिह्न डिजाइन प्रतियोगिता राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर के लिए है। इसका निर्माण गुजरात के लोथल में किया जा रहा है।

अंतिम तिथि
04 जून, 2020

योग्यता

- इसमें देश का हर नागरिक भाग ले सकता है।
- उम्र, जेंडर और शिक्षा का इसमें कोई बंधन नहीं है। इसका अर्थ है कि हर उम्र के लोग अपना आवेदन भेज सकते हैं।
- अकेले या एक टीम के रूप में इसमें भाग लिया जा सकता है।

प्रारूप

- प्रतियोगिता के तहत हर आवेदक को प्रतीक-चिह्न बनाकर भेजना होगा। यह जेपीईजी, पीएनजी या पीडीएफ फॉर्मेट में होना चाहिए।
- प्रतीक-चिह्न का विश्लेषण भी करना होगा, और यह बताया जाना चाहिए कि निर्माणाधीन परिसर के मूल-तत्व को यह किस तरह प्रदर्शित करता है।
- लोगो मौलिक होना चाहिए और कहीं से नकल करके तैयार न किया गया हो। जरूरी यह भी है कि वह बौद्धिक संपदा अधिकारों का उल्लंघन न करता हो।
- यह भी जरूरी है कि लोगो पूरी तरह अप्रकाशित और अप्रसारित होना चाहिए।
- अगर कोई कानूनी विवाद होता है, तो उसका निपटारा आवेदक को करना होगा।
- विजेता को 20,000 रुपए नकद दिए जाएंगे। पुरस्कार की राशि सीधे बैंक-अकाउंट में डाली जाएगी।

ऐसे करें आवेदन

- आवेदन ऑनलाइन तरीके से mygov.in वेबसाइट के 'क्रिएटिव कॉर्नर' से किया जा सकता है।
- जिन आवेदकों ने पहले कभी इस वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन न किया हो, उन्हें आवेदन से पूर्व रजिस्ट्रेशन करना होगा।
- यह पूरी प्रक्रिया निशुल्क है, यानी आवेदन में कोई शुल्क नहीं जमा करना होगा।
- सभी आवेदन सागरमाला, पोत परिवहन मंत्रालय की संपत्ति माने जाएंगे। जरूरत पड़ने पर मंत्रालय इस्तेमाल कर सकता है।
- देर से भेजे गए या आधे-अधूरे भरे गए आवेदन-पत्रों पर गौर नहीं किया जाएगा और इस आधार पर आवेदक की दावेदारी खारिज कर दी जाएगी।
- एक आवेदक सिर्फ एक ही आवेदन कर सकता है।
- विजेता का चयन उसके द्वारा भेजे गए लोगो में रचनात्मकता, मौलिकता, कलात्मक योग्यता और सादगी के अलावा मंत्रालय की विषय-वस्तु को व्यक्त कर सकने की क्षमता के आधार पर ही किया जाएगा।

अधिक जानकारी के लिए कृपया इस वेबसाइट पर क्लिक करें : mygov.in

ऋचा झा

योग ट्रेनर: सेहत से संवारें करियर

भारत में योग का इतिहास कई शताब्दियों पुराना है, बावजूद इसके, करियर के लिहाज से इस क्षेत्र में तेजी हालिया वर्षों में ही देखने को मिली है। योग किसी भी व्यक्ति के जीवन में उसके स्वास्थ्य के ऊंचे मानकों को हासिल करने और अपनी भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक सेहत पर ध्यान केंद्रित करने में मददगार साबित होता है।

हमारी मौजूदा तनावपूर्ण जीवनशैली हमें हमेशा तनाव के एक नए स्तर की ओर धकेल रही है। यही वजह भी है कि एक योग्य योग चिकित्सक की मांग इन दिनों खूब बढ़ रही है और इस मांग को पूरा करने वाले पाठ्यक्रमों के विकल्प भी पहले से कहीं अधिक मौजूद हैं।

आज सेहत के लिए सजग कई युवा रोगों से मुक्त करने की योग की ताकत को समझते हुए इस ओर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। जहां एक तरफ दुनिया योग की ताकत को पहचान रही है, वहीं विभिन्न क्षेत्रों जैसे स्कूल और कॉलेजों में प्रशिक्षक या काउंसलर, चिकित्सा केंद्रों और अस्पताल आदि में योग प्रशिक्षकों या इंस्ट्रक्टर्स को रोजगार की नई राहें दिखाई दे रही हैं। देश भर में कई योग संस्थान योग चिकित्सा में विभिन्न पाठ्यक्रम और डिग्री मुहैया करा रहे हैं। योग में मुख्य तौर पर करियर के दो विकल्प हो सकते हैं, पहला शोध और प्रशिक्षण के क्षेत्र में और दूसरा योग चिकित्सक के रूप में।

कुछ जरूरी बातें

- काम का कम तनाव
- अगर आप एक फ्रीलांसर हैं तो अपनी पसंद से काम का समय तय कर सकते हैं
- आप खुद को सेहतमंद बनाते हुए कमा भी सकते हैं
- आय कम-ज्यादा हो सकती है

वेतन

अगर आप एक स्वतंत्र योग प्रशिक्षक हैं तो आपकी आय मुख्य तौर पर आपके क्लाइंट्स की संख्या और आपकी फीस पर निर्भर करती है।

शुरुआती दौर में कोई भी प्रशिक्षक एक सत्र के लिए 400 से 500 रुपये प्रतिदिन (20 हजार रुपये प्रतिमाह) का शुल्क प्राप्त कर सकता है।

मध्यम स्तर के प्रशिक्षक प्रतिमाह 40 हजार से 50 हजार रुपये व वरिष्ठ प्रशिक्षक, जो पूर्ण रूप से इस क्षेत्र में लगे हुए हैं, तकरीबन 1 लाख रुपये प्रतिमाह तक कमाते हैं।

कौशल एवं योग्यता

- इस क्षेत्र में आपकी अच्छी दिलचस्पी होनी चाहिए
- एक अच्छे संस्थान से प्रशिक्षण हासिल करना

सही जानकारी जरूरी

आप जो पढ़ा रहे हैं, उसकी सही जानकारी होनी जरूरी है। आपकी गलतियों से क्लाइंट्स की सेहत और धन, दोनों का नुकसान हो सकता है।

सही प्रशिक्षण जरूरी

एक योग प्रशिक्षक के लिए पेशेवर प्रशिक्षण अनिवार्य है। आप 10वीं या 12वीं उत्तीर्ण करने के बाद या फिर इससे भी पहले कोर्स कर सकते हैं।

एक योग प्रशिक्षक के लिए अपने कार्य में अच्छा न होना, उसके करियर के लिए सही नहीं है, इसीलिए एक अच्छे संस्थान से बुनियादी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम किया जाना जरूरी है।

फीचर टीम

प्रमुख संस्थान

- मोरारजी देसाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ योग, नई दिल्ली www.yogalife.in
- बिहार योग भारती www.yogavision.net/bihar-yoga-bharati/welcome
- शिवानंदा योग वेदांता सेंटर्स एंड आश्रम्स www.sivananda.org
- सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन योग एंड नेचुरोपैथी, नई दिल्ली www.ccryn.org
- द योग इंस्टीट्यूट, मुंबई www.theyogainstitute.org
- एस-व्यासा यूनिवर्सिटी, बेंगलुरू www.svyasa.org

ट्रेनर का दिन

सुबह 5.30 बजे : सुबह उठ कर प्राणायाम और ध्यान लगाना या मेडिटेशन करना

सुबह 8 बजे : अपनी योग कक्षाएं लेना, कई बार निजी सत्र सुबह 7 बजे ही शुरू हो जाता है

दोपहर 1.30 बजे : कक्षाएं समाप्त होती हैं। घर जाकर आप अपने निजी काम कर सकते हैं

शाम 5 बजे : शाम की कक्षाओं के लिए स्टूडियो वापस आना

रात 9 बजे : योग कक्षाएं यहीं समाप्त और घर के लिए रवाना

रात 11 बजे : आज की दिनचर्या पूर्ण



जेईई मेन्स और एडवांस की तारीखों का ऐलान, नेट भी आगे

कोरोना के चलते सब कुछ अटका हुआ है, ऐसे में आईआईटी संस्थानों में एडमिशन के लिए जमकर मेहनत कर रहे स्टूडेंट्स के लिए जरूर एक अच्छा फैसला एचआरडी मिनिस्ट्री ने लिया है। पहले जेईई मेन्स की तारीखों का ऐलान हुआ और फिर जेईई एडवांस का भी हो गया। जेईई मेन्स की परीक्षाएं 18 से 23 जुलाई के बीच होंगी, जबकि जेईई एडवांस की परीक्षा के लिए 23 अगस्त की तारीख तय कर दी गई है। चूंकि जेईई मेन्स की परीक्षाएं एनटीए आयोजित करती है और जेईई एडवांस आईआईटी आयोजित करते हैं, तो दिल्ली आईआईटी जल्द ही पूरा कार्यक्रम घोषित कर देगी। कुल मिलाकर ढाई लाख स्टूडेंट्स जेईई एडवांस में भाग ले सकते हैं। माना जा रहा है कि जेईई मेन की परीक्षाओं के नतीजे 10 अगस्त तक घोषित कर दिए जाएंगे, तो जो क्वालिफाई करेंगे, वो जेईई एडवांस में हिस्सा लेंगे। दोनों ही परीक्षाएं कंप्यूटर बेस्ड मल्टीपल चॉइस तरीके से ऑनलाइन ही होंगी। यूजीसी नेट और सीएसआईआर नेट की परीक्षाएं अब जुलाई में हो सकती हैं।

आईआईटी एलुमिनाई काउंसिल की कोविड टेस्ट बस

ये अपने आप में एक नया अनूठा प्रयोग है और कोरोना से सबसे ज्यादा परेशान शहर मुंबई के लिए तोहफा भी। आईआईटी एलुमिनाई काउंसिल 23 आईआईटी संस्थानों के पुराने स्टूडेंट्स का संगठन है, जिसने मुंबई वालों को एक तोहफा दिया है। ये है एक बड़ी कोविड टेस्ट बस। जो एक घंटे में 10 से 15 लोगों का टेस्ट कर सकती है और नतीजे भी बेहद जल्दी देती है। सबसे बड़ी बात ये कि ये बस टेस्ट का खर्च 80 फीसदी तक घटा देती है। एक मई से ये बस मुंबई की सड़कों पर उतर भी चुकी है। इसमें जो टेक्नोलॉजी टेस्टिंग के लिए इस्तेमाल की गई है, वो शुद्ध भारतीय है। इस बस के लिए आईआईटी काउंसिल ने एक मशहूर लैब कंपनी से टाईअप किया है।

विदेशों में बोर्ड के एग्जाम शायद ना करवाए सीबीएसई

बहुत कम लोग जानते हैं कि सीबीएसई भारत के अलावा कम से कम 25 और देशों में भी स्कूलों को चलाता है। इन देशों में ज्यादातर भारतीय सीबीएसई बोर्ड के पैटर्न पर अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए एडमिशन करवाते हैं। ऐसे कुल 210 विदेशी स्कूल हैं, जो सीबीएसई बोर्ड से सम्बद्ध हैं। 10वीं बोर्ड में इस साल इन स्कूलों के 23,844 स्टूडेंट्स और 12वीं बोर्ड के 16,103 स्टूडेंट्स को परीक्षा देनी है। बाकी क्लासेज में तो सबको बिना परीक्षा के एक साल आगे कर दिया गया है, लेकिन बोर्ड वालों के लिए कोरोना के चलते भारी दिक्कत है। इन 25 देशों में ज्यादातर में लॉकडाउन है, फिर एक देश में करवा दें और बाकी रह जाएं, ये भी मुश्किल है। सो अभी ये तय किया गया है कि बोर्ड की परीक्षाओं पर कोई फैसला ना लिया जाए, जैसे ही स्थितियां बेहतर होंगी, सीबीएसई इस पर कोई फैसला ले सकती है। हालांकि एक दिन एचआरडी मंत्री ने इन बच्चों से ऑनलाइन बातचीत भी की थी।



पीएम रिसर्च फेलोशिप में भी दी गईं कुछ रियायतें

2018-19 के बजट में देश में रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए पीएम रिसर्च फेलोशिप का ऐलान किया गया था। इसके लिए आईआईटी, आईआईएससी और सेंट्रल यूनिवर्सिटी जैसे बेहद चुनिंदा टॉप टेक्निकल इंस्टीट्यूट्स से ही बेहद कड़े मापदंडों पर स्टूडेंट्स चुने जाते थे। लेकिन कोरोना के चलते एचआरडी मंत्री ने इसमें कुछ रियायतें दी हैं। सबसे पहले तो अपेक्षित गेट स्कोर 750 से घटाकर 650 कर दिया है, जबकि सीजीपीए स्कोर 8 या समकक्ष रहेगा। अब इसमें सभी बड़े मान्यता प्राप्त टेक्निकल संस्थानों के स्टूडेंट्स आवेदन कर सकेंगे। इसमें अब 2 तरीके से एंट्री मिल सकेगी, एक डायरेक्ट एंट्री, दूसरे लेटरल एंट्री। नई गाइडलाइंस के मुताबिक पीएमआरएफ ग्रांट करने वाले इंस्टीट्यूशंस में जो भी रिसर्च स्कॉलर पीएचडी के 12 या 24 महीने पूरे कर लेंगे, वो लेटरल एंट्री के पात्र होंगे। इस सत्र से ये सभी गाइडलाइंस लागू हो जाएंगी। इसके अलावा एक बड़ा ऐलान ये भी किया गया है कि अब एचआरडी मंत्रालय में अलग से एक रिसर्च और इनोवेशन डिविजन खोला जाएगा, जो रिसर्च से जुड़े सारे कार्यक्रमों और योजनाओं के बीच समन्वयन का काम करेगा।

आईआईटी दिल्ली बना रही मास्क तो आईआईटी कानपुर वेंटिलेटर

पीएम मोदी ने जब से सभी संस्थानों से कोरोना से लड़ाई में साथ आने का आह्वान किया है, सभी कुछ न कुछ करने में लगे हैं। सबसे आगे हैं आईआईटी संस्थान।

आईआईटी दिल्ली ने तीन लेयर वाला एंटीमाइक्रोबियल मास्क तैयार किया है, जिसे 50 बार धोकर इस्तेमाल किया जा सकता है। इसे नाम दिया गया है-एन सेफ। दूसरी ओर कानपुर आईआईटी ने सस्ते वेंटिलेटर्स बनाने के लिए भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के साथ एक एमओयू पर साइन भी कर दिए हैं।

बहुत जल्द सस्ते वेंटिलेटर्स का प्रोडक्शन शुरू किया जाएगा, इसके लिए प्रोफेसर अमिताभ बंधोपाध्याय कमान संभाल रहे हैं।

पूजा शर्मा

शेरो-शायरी में अकसर हम हौसलों की परवाज के बारे में पढ़ते हैं। तमाम बड़े शायरों और साहित्य की दुनिया के पुरोधाओं ने हिम्मत, मेहनत और साहस को बखूबी बयां किया है। ये बात सही है कि ऐसे कुछ मूल्यों और गुणों को जीवन में उतार लिया जाए तो आगे की राह काफी सुगम हो जाती है



जब हो हौसले के बल पर दुनिया जीतने की चाह

तीन बार ऑस्कर, सात बार गोल्डन ग्लोब और कुल मिला कर दुनिया भर के सभी प्रमुख पुरस्कारों द्वारा 126 बार नवाजा जाना। यह किसी फिल्म निर्देशक और निर्माता की प्रतिभा का खुद ही बखान कर देता है। आपको जान कर आश्चर्य होगा कि बचपन से ही फिल्मी लाइन में जाने के लिए उत्सुक रहने वाले स्पीलबर्ग जब यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोर्निया ऑफ थियेटर, फिल्म और टेलीविजन में एडमिशन लेना चाह रहे थे, तब उन्हें वहां से तीन बार रिजेक्ट कर दिया गया। अंततः उन्हें थक-हार कर दूसरे स्कूल में एडमिशन लेना पड़ा, लेकिन वहां भी उन्हें सफलता नहीं मिली और अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ कर उन्हें निर्देशन के क्षेत्र में कूदना पड़ा। इसका परिणाम सभी जानते हैं। बाद में इतनी सफलताओं के बाद अपनी बीए की डिग्री पूरी की और वह भी तब, जब दुनिया भर के कई विश्वविद्यालय उन्हें मानद डिग्री देने के लिए बेताब थे।

सफलता पाने की ललक

सुनने और देखने वालों को कितना अजीब लगेगा कि जब लोग अपनी 60 वर्ष की उम्र में रिटायरमेंट की बात सोचते हैं, तब स्टीवन स्पीलबर्ग बचपन की अपनी इच्छा को पूरा करने के लिए बी. ए. की परीक्षा का इम्तिहान देते हैं। दरअसल ऐसे ही हौसलेबाजों को बड़ी से बड़ी परीक्षा भी परास्त नहीं कर पाती। उनकी जोखिम उठाने की क्षमता ही एकमात्र वह कारण होती है, जिसके दम पर वह दुनिया जीतने की चाहत रखते हैं। वे किसी भी परिस्थिति में झुकना नहीं जानते। स्टीवन स्पीलबर्ग इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं।

कुछ नया काम करने का मन

जीवन में सफलता प्राप्त करने वाले लोग कोई अलग काम नहीं करते, बल्कि प्रत्येक काम को नए ढंग से करते हैं। मसलन ग्राह्म बेल ने जब टेलीफोन का आविष्कार किया तो उन्होंने सबसे पहले अपने आप से एक सवाल किया कि क्या टेलीफोन को बिना किसी बेल के बनाया जा सकता है। तो उनका उत्तर था-हां।

अंततः टेलीफोन का आविष्कार बिना बेल के हुआ। महान मार्केटिंग गुरु पीटर ड्रकर ने इस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यदि आप कुछ नया करना चाहते हैं तो सबसे पहले आपको अपने जीवन से वह पुराना काम छोड़ना होगा, जो आप अभी तक करते आए हैं।

लीक से हट कर अपना रास्ता खुद बनाने वाले

जोखिम उठाने वाले व्यक्तियों के सन्दर्भ में एक बात सर्वविदित है कि वे ऐसे लोग होते हैं, जो बनी-बनाई परिपाटी पर न चल कर अपना रास्ता स्वयं बनाते हैं और दूसरों के लिए एक ऐसी लीक भी बनाते चलते हैं, जो उनके लिए मिसाल का काम करती है।

माइंड टूल्स नामक प्रशिक्षण संस्थान के संस्थापक और सी. ई. ओ. जेम्स मान्कटेलो का कहना है कि जोखिम उठाने वाले लीडर की सबसे बड़ी ताकत उसकी वह दूरदृष्टि होती है, जिसके बल पर वह सही समय पर, सही काम के लिए, सही निर्णय लेने में सक्षम होता है।

यह दूरदृष्टि सामान्य मनुष्य में नहीं होती। इसका मतलब यह हुआ कि ये लोग जब किसी काम को करने की हामी भरते हैं या उसके बारे में बोलते हैं तो वे उसे करते भी हैं। इसी से उनकी टीम पर उनके प्रभावशाली व्यक्तित्व की छाप पड़ती है, जिसके सहारे वे बड़ा से बड़ा काम करने का जोखिम उठा लेते हैं।

महात्मा गांधी और एलेक्जेंडर महान का नाम आज भी यदि दुनिया में बड़े सम्मान के साथ लिया जाता है तो इसका कारण यह है कि उन्होंने अपने कार्यों के माध्यम से ऐसे उदाहरण प्रस्तुत किए, जिनसे दुनिया उनकी प्रशंसक बनी। यदि उन्होंने अपने जीवन में कोई जोखिम न उठाया होता तो शायद ही आज कोई उन्हें सिर-माथे पर बिठाता और उनके सिद्धांतों पर चलने की कोशिश करता।

दीपा

स्टडी क्या कहती है...

- ब्रिटेन की मनो-आध्यात्मिक संस्था 'इनर स्ट्रेंथ सोसायटी' की एक प्रयोगशाला और दूसरी जगहों पर भी कई अध्ययन हुए हैं, जिनमें यह पड़ताल की गई कि जोखिम उठाते समय लोगों का कैसा व्यवहार होता है?
  पता चला कि वे जीन्स जो दिमाग के क्रियाकलापों की भिन्नता का कोड बनाते हैं, उतने ही भिन्न होते हैं जितना कि हमारा व्यवहार भिन्न होता है।
- अनुसंधान से पता चला कि कुछ लोगों में खुशी हासिल करने की इच्छा दूसरों से ज्यादा होती है और ऐसा लगता है कि यह फितरत आनुवांशिक भी है। जैसे कुछ लोग ऐसे हो सकते हैं, जो एक बार स्काईडाइविंग करेंगे तो सुरक्षित धरती पर पहुंचकर धरती को चूमेंगे ईश्वर का धन्यवाद करते हुए कि बचा लिया ईश्वर।
- कुछ लोग ऐसे होंगे, जो फिर से हवाई जहाज में सवार हो जाएंगे ताकि फिर से कूद लगा सकें।
  हालांकि सतही तौर पर लग सकता है कि जोखिम उठाने में लाभ के बजाय हानि या नुकसान ही ज्यादा है। जोखिम उठाने वालों की पर्सनैलिटी कुछ ऐसी होती है कि उन्हें विश्वास होता है कि वे किसी विपरीत परिस्थितियों से आसानी से निपट लेंगे अपनी बुद्धि का इस्तेमाल करेंगे।

हिन्दुस्तान

Live हिन्दुस्तान .com

जागरूक रहें सुरक्षित रहें

अब पाएं अपने शहर के साथ-साथ देश और दुनिया की सभी ताजा व विश्वसनीय खबरें अपने मोबाइल पर। आज ही डाउनलोड करें हिन्दुस्तान अखबार का मोबाइल ऍप गूगल प्ले स्टोर से या नीचे दिए गए QR कोड को स्कैन करें।

Live हिन्दुस्तान .com
Mobile App

गूगल प्ले पर उपलब्ध

GET IT ON Google Play



तरक्की का नया नजरिया